खबर संक्षेप

तेंदुआ शावक का पाया गया शव

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बताया कि एक वन्यजीव तेंदुआ के शावक (लिंग अज्ञात, उम्र लगभग 6 माह) के शव के पाए जाने की घटना, जिसका स्थल वनभूमि कक्ष क्रमांक पीएफ 356 बीट मझखेता (बफर), वन परिक्षेत्र मानपुर (बफर) के अन्तर्गत प्रकाश में आयी है। जिस पर एन.टी.सी.ए. नई दिल्ली एवं कार्यालय मुख्य वन्यजीव अधीक्षक म.प्र. भोपाल से जारी दिशा निर्देश अनुसार त्वरित कार्यवाही करते हुए घटनास्थल को सुरक्षित किया गया तथा वरिष्ठ अधिकारियों को गस्ति दल द्वारा बताया गया। निर्धारित प्रक्रिया अनुसार डॉग स्क्वायड की सहायता से घटना स्थल एवं उसके आसपास के वन क्षेत्र के छानबीन की कार्यवाही की गई। कोई भी आपत्तिजनक चीज प्राप्त नहीं हुई। पोस्टमार्टम की कार्यवाही वन्यजीव चिकित्सकों के द्वारा किया गया है तथा आवश्यक नमूने संग्रहित किए गए है। उन्होंने बताया कि वन्यजीव तेंदुआ के शावक का सिर, पूंछ, पैर के हिस्से एवं आंत का कुछ भाग प्राप्त हुआ, शेष भाग वन्य प्राणी द्वारा खाया जाना प्रतीत होने से नही पाये गये। शव के पास बाघ तथा तेंदुआ के पदचिन्ह भी पाए गए। निर्धारित प्रक्रिया अनुसार शव दहन की कार्यवाही क्षेत्र संचालक, नायब तहसीलदार , एन.टी.सी.ए के प्रतिनिधि/वन्यजीव विशेषज्ञ व अन्य की उपस्थिति में की गई। समस्त कार्यवाही के फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई है। प्रकरण में वन अपराध प्रकरण दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही जारी है।

कमिश्नर ने दूरदराज़ क्षेत्रों से आए आवेदकों की समस्याएं सुनीं

शहडोल। कमिश्नर सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता शहडोल, अनूपपुर और उमरिया जिलों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। कमिश्नर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम मढा निवासी मंगल कोल ने भूमि अर्जन की राशि वापस दिलाने, ग्राम खन्नौध के शिवप्रसाद सिंह ने वन भूमि का पट्टा जारी करने और ग्राम कोनी की रामवती यादव ने बंद सामाजिक सुरक्षा पेंशन पुनः प्रारंभ कराने की मांग रखी। न्यू हाउसिंग बोर्ड शहडोल के अनूप सिंह ने समर्पित अवकाश व ग्रेजुएटी भुगतान, ग्राम पैलवाह के रामधनी गुप्ता ने किसान सम्मान निधि की राशि, तथा अनूपपुर के बरगंवा की द्रोपती गुप्ता और चचाई की अंजू पटेल ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। उमरिया जिले के मकरा निवासी भगवान सिंह ने खेत तालाब निर्माण कार्य का भुगतान दिलाने की मांग की। कमिश्नर ने सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को अग्रेषित करते हुए शीघ्र समाधान के स्पष्ट निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, उपायुक्त राजस्व मनीषा पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

फायदा देख कभी ग्रामीण और कभी निकाय में सम्मिलित हो जाते हैं भूखंड

तो उमरिया में सरकती है जमीन

पहले लिया करोड़ का मुआवजा और फिर ग्रामीण बनकर बना दी कॉलोनी

उमरिया। उमरिया जिला मुख्यालय के भूखंड न सिर्फ गांव से शहर और शहर से गांव तक सरकते हैं, बल्कि इस खेल में वह करोड़ों रुपए उगलने भी लगे हैं, मामला आईने की तरह साफ होने के बाद भी राजस्व विभाग और अन्य नौकरशाहों ने मिलकर ना सिर्फ कलेक्टर से लेकर हाई कोर्ट तक के को गुमराह किया, बल्कि इस खेल में करोड़ों अंदर कर लिए और कागजों में जिम्मेदारों को ही फंसा दिया बहरहाल पूरा मामला बोतल में बंद जीने की तरह बाहर निकलने को बेकरार है।जिला मुख्यालय में लगभग एक दशक पहले जब राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए सडक़ का चयन किया गया और अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हुई तो स्थानीय नौकरशाहों और राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर अनेकों ने ऐसी डुबकियां लगाई कि वह हर-हर नोटों में तैरने लगे एक जगह मामला सेट हो जाने के बाद दूसरी जगह इस काले धन को लेकर विनायक टाउन जैसी कॉलोनी का निर्माण कर दिया गया और इसमें भी नियमों को इस तरह तोड़ मरोड़ कर चांदी के सिक्कों से घूम फिर दिया कि खुद नौकरशाह अब रमेश गुप्ता नामक कारोबारी के जाल में फंसे हुए छटपटाते नजर आ रहे हैं, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के साथ ही स्थानीय राजस्व महकमा जिसमें तहसीलदार से लेकर पटवारी और एसडीएम तक शामिल है, इन्होंने चंद कौडिय़ों के फेर में इस तरह अपनी कलम को उलझा लिया कि अब वह खुद इसमें फंसते जा रहे हैं बहरहाल यह मामला कलेक्टर कोर्ट में दलीलों के साथ रोज नए करवटें ले रहा है, करोड़ों का मुआवजा लेने के बाद अब उसे ग्रामीण बता दिया गया है और हर दस्तावेज एक दूसरे के सामने खड़े हुए नजर आ रहे हैं।

यह है पूरा मामला

उमरिया जिला मुख्यालय में नगरीय निकाय से सटा हुआ भूखंड जो खसरा नंबर 727/3 का यह रकवा रमेश गुप्ता ने भूमि अधिग्रहण के बाद क्रय किया, यह रमेश का ही खेल था कि इस खेल में जिस भूमि को क्रय की गई, उसे भी हरे-हरे नोट की गड्डियां मुआवजे में मिल गई और रमेश की तो मानो चांदी ही कट गई, लगभग 3 करोड़ 98 लाख का मुआवजा और पूरे भूखंड को नगर पालिका क्षेत्र का

होना बताया गया, इस मामले में जब आपत्ति आई तो, स्थानीय तहसीलदार ने पटवारी की लिखी हुई रिपोर्ट को गलत बताया और एसडीएम के मार्फत पहले जांच पत्र क्रमांक 315 में उल्लेख किया गया कि यह भूखंड नगरीय निकाय न होकर ग्रामीण क्षेत्र का है इसके बाद तत्कालीन कलेक्टर ने इस मामले में रमेश को मिलने वाले मुआवजे पर रोक लगवा दी, लेकिन रमेश गुप्ता ने माननीय उच्च न्यायालय की शरण ली और वहां से यह आदेश आया कि रमेश से बैंक गारंटी ली जाए और उसके खाता जो कलेक्टर के आदेश के बाद फ्रीज कर दिए गए थे, उन्हें खोल दिया जाए, हुआ भी बिल्कुल यही रमेश को बैंक गारंटी देने के बाद लगभग 3.45 करोड़ के आस-पास की राशि मिल गई।

फिर ग्रामीण बढक़र खेला खेल

यह मामला माननीय उच्च न्यायालय के आदेश और खाते रिलीज होने के बाद लगभग शांत सा हो गया और रमेश को करोड़ों रुपए मिल गए, इसके बाद रमेश ने इस क्षेत्र में इस भूखंड पर विनायक सिटी नामक कॉलोनी बनाने की पहल शुरू की और एक बार फिर उसी दलबीर सिंह नामक पटवारी के साथ मिलकर एक आवेदन देने के बाद इस भूखंड को

रोमेश के खेल में पटवारी से लेकर टीएनएसपी तक शामिल

ग्रामीण घोषित करवाने का खेल-खेला गया, ग्राम तथा नगर निवेश कार्यालय के द्वारा लैंड उसे के लिए 300 मीटर के अंदर भूखंड रहने का आदेश दिया गया तो, पटवारी ने भी मिलकर अपने प्रतिवेदन में भूखंड को 300 मीटर अंदर बताया जबकि दलबीर सिंह नामक किसी पटवारी ने इससे पहले जो प्रतिवेदन दिया था, उसे नगरीय निकाय का बताया गया था और इस प्रतिवेदन के आधार पर 3.45 करोड रुपए का मुआवजा भी रमेश गुप्ता को मिला था, बहरहाल पटवारी और तहसीलदार ने खुद को फंसता देखते हुए आधा-अधूरा पंचनामा बनाया और सिर्फ 300 मीटर अंदर बताया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र का उल्लेख नहीं किया, लेकिन रमेश ने इस खेल में तहसीलदार के साथ मिलकर पटवारी के जांच प्रतिवेदन में छेड़छाड़ करवाते हुए एक ग्रामीण क्षेत्र का उल्लेख कराया और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से भवन निर्माण की अनुमति ले ली।

भवन बनाने की ली अनुमति

मजे की बात तो यह है कि इससे पहले जब तक टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ने इस मामले में एक्शन नहीं लिया था और अवैध निर्माण को लेकर कोई भी बातें सामने नहीं आई थी तो, इसी कॉलोनी में बनने वाले भवनों का निर्माण की अनुमति नगर निकाय कार्यालय उमरिया से ली गई थी, आज भी स्थानीय नगर पालिका उमरिया में खसरा नंबर 727 के विभिन्न भूखंडों में भवन निर्माण की अनुमति नगर पालिका द्वारा दी गई है, लेकिन टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ने जब ग्रामीण क्षेत्र होने की स्पष्ट गाइडलाइन पर काला रोग दिखाया तो, पटवारी का प्रतिवेदन और तहसीलदार का एरो निशान इस मामले में सहायक बन गया। कुल मिलाकर देखा जाए तो नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत के जिस भूखंड का मुआवजा तत्कालीन एसडीएम ने लगभग डेढ़ लाख के आस-पास स्वीकृत किया था और 3.45 करोड़ से घटकर यह डेढ़ लाख के आस-पास पहुंचा था, उसमें न सिर्फ राजस्व विभाग और अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर 3.45 करोड़ तक पहुंचा दिया गया।

छात्रों का फट पड़ा गुस्सा, एसडीएम से हुई तीखी नोकझोंक

स्कूल में पढ़ाई नहीं, धान खरीदी?

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर विकास खण्ड अंतर्गत सरकारी आवासीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीधी में मंगलवार को ऐसा नज़ारा देखने मिला, जिसने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। जहां सुबह बच्चों की कक्षाएं लगनी चाहिए थीं, वहां परिसर में धान खरीदी केंद्र की तैयारी ने छात्रों का गुस्सा इस कदर भडक़ा दिया कि पूरा स्कूल विरोध के नारों से गूंज उठा। परिसर में ट्रॉलियों और बोरियों की तैयारी की खबर फैलते ही सैकड़ों छात्र-छात्राएं अचानक मुख्य गेट पर इक_ा हो गए और प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों का साफ कहना था कि शिक्षा परिसर को मंडी बनाना किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

छात्रों ने उठाए तीखे सवाल

दुर्गा स्व-सहायता समूह के द्वारा विद्यालय परिसर को धान खरीदी केंद्र के रूप में इस्तेमाल किए जाने की योजना की भनक लगते ही विरोध की लहर दौड़ पड़ी। छात्रों ने कहा कि रोजाना ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, वाहनों और खरीदी की भीड़ से परिसर में अव्यवस्था फैलेगी, गंदगी बढ़ेगी और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहेगा। छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रशासन की लापरवाही और मनमानी के चलते जहां ज्ञान का माहौल होना चाहिए, वहाँ व्यापारिक गतिविधियों को थोपने की कोशिश की जा रही है। कक्षाओं में पढ़ाई कैसे होगी, जब सुबह से शाम तक परिसर में ट्रैक्टर और मालवाहक गाडिय़ाँ घूमती रहेंगी?

वीडियो बनाने पर छात्र से तकरार

विरोध चरम पर था तभी जयसिंहनगर एसडीएम काजोल सिंह मौके पर पहुंचीं। यहाँ एक छात्र द्वारा मोबाइल से वीडियो बनाए जाने पर एसडीएम की नाराजग़ी बढ़ गई और उन्होंने छात्र से तीखे स्वर में पूछा क्या तुम रिपोर्टर हो? छात्र के नहीं, मैं छात्र हूँ कहते ही माहौल और गर्म हो गया। छात्रों ने आरोप लगाया कि एसडीएम उन्हें डांटने के बजाय धान खरीदी को बढ़ावा देने का दबाव बना रही थीं। विरोधरत छात्रों का कहना है कि एक तरफ प्रशासन पढ़ाई सुधारने की बातें करता है और दूसरी तरफ स्कूल परिसर को मंडी में बदलने की तैयारी करता है, जो शिक्षा के अधिकार का खुला उल्लंघन है।

खरीदी हुई तो आंदोलन और उग्र होगा

लगभग दो घंटे तक स्थिति तनावपूर्ण बनी रही।

स्कूल प्रशासन और पुलिस बल की मौजूदगी में किसी तरह छात्रों को शांत करने की कोशिश की गई, लेकिन छात्र अपने रुख पर अडिग रहे। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर स्कूल को धान खरीदी केंद्र बनाया गया, तो अगला विरोध इससे कई गुना बड़ा होगा। पढ़ाई के लिए बने संस्थान को बाजार बनाने नहीं दिया जाएगा।

बड़े विवाद की शुरुआत?

इस पूरे प्रकरण ने जिला भर में बहस छेड़ दी है कि आखिर प्रशासन के पास इतने बड़े क्षेत्र में धान खरीदी के लिए अन्य विकल्प होते हुए भी एक शिक्षण संस्थान को निशाना क्यों बनाया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि धान खरीदी के लिए खुले मैदान, सहकारी समाज परिसर या पंचायत भवन जैसे स्थान मौजूद हैं, फिर भी स्कूल का चयन करके प्रशासन ने छात्रों के भविष्य को जोखिम में डाल दिया है। कई शिक्षकों ने भी अनौपचारिक तौर पर चिंता जताई कि यदि परिसर को खरीदी केंद्र में बदला गया, तो न केवल पढ़ाई बाधित होगी बल्कि विद्यालय की सुरक्षा और स्वच्छता भी बुरी तरह प्रभावित होगी।

इनका कहना है...

छात्र नहीं चाह रहे थे कि धान उपार्जन उनके स्कूल ग्राउंड में हो तो जगह बदल दी गई है ।

काजोल सिंह
एसडीएम, जयसिंहनगर

नवविवाहिता से थ्रेसर मजदूर ने किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र से एक नवविवाहिता किसान महिला के साथ दुष्कर्म की दर्दनाक घटना सामने आई है। खेत में धान की गहाई का काम खत्म होने के बाद घर लौट रही 22 वर्षीय महिला को थ्रेसर चलाने आए मजदूर ने रास्ते में अकेला पाकर जबरन हवस का शिकार बनाया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

गहाई के बाद घर लौटते समय किया हमला

मामले के अनुसार पीड़िता की सास अपने खेत में धान की गहाई का काम थ्रेसर मशीन से करवा रही थीं, जिसके लिए मजदूर बुलवाए गए थे। काम समाप्त होने पर जब नवविवाहिता पैदल अपने घर की ओर लौट रही थी, तभी थ्रेसर पर काम करने वाला मजदूर, जिसका नाम बिन्नू बैगा बताया गया है, बाइक से उसके पीछे आया। पीड़िता ने बताया कि रास्ते में आरोपी को देखकर उसने अपनी चाल तेज कर दी, लेकिन आरोपी ने पीछा कर उसे खेत के किनारे रोक लिया। इसके बाद उसने महिला को पीछे से पकडक़र जबरन खेत की ओर खींच लिया और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। मदद के लिए महिला के चीखने-चिल्लाने के बावजूद आस-पास कोई मौजूद नहीं था, जिससे आरोपी निर्भीक रहा।

शिकायत पर पुलिस की तत्काल कार्रवाई

किसी तरह घर पहुंचने के बाद महिला ने पूरी घटना अपनी सास को बताई। इसके बाद दोनों सीधे जैतपुर थाने पहुंची और आरोपी बिन्नू बैगा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई की और आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे ढकेल दिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में पीड़िता के बयान महत्वपूर्ण आधार हैं। दुष्कर्म का शिकार हुई महिला की शादी मात्र एक वर्ष पूर्व हुई थी और घटना के समय उसका पति मजदूरी के सिलसिले में परदेश गया हुआ था। पुलिस ने पीड़िता का चिकित्सा परीक्षण कराया जा रहा है और आगे की विवेचना जारी है।

इनका कहना है...

थ्रेसर मशीन से धान की गहाई कर वापस लौट रही एक महिला के साथ उसके यहां धान की गहाई करने आया मजदूर ने बलात्कार किया है, पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर जेल भेज दिया गया है।

अभिषेक दीवान
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक
शहडोल

जिला जेल में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव पर ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

शहडोल। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत जिला जेल शहडोल में श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जेल अधीक्षक भास्कर पाण्डेय की उपस्थिति में आयोजित इस प्रतियोगिता में 8 निरूद्ध बंदियों ने ऑफलाइन परीक्षा में भाग लिया। प्रतियोगिता शांतिपूर्ण और अनुशासित माहौल में संपन्न हुई। कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. रामकिशोर द्विवेदी और नितिन कुमार त्रिपाठी ने बंदियों के बीच गीता पाठ एवं प्रवचन किया। बंदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गीता के श्लोकों व उपदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। इस अवसर पर भजन-कीर्तन भी आयोजित किया गया, जिसमें बंदियों ने सक्रिय सहभागिता की। जेल प्रशासन के अनुसार, जिला जेल में बंदियों द्वारा प्रतिदिन गीता और रामायण का नियमित पाठ किया जाता है, जिससे उनमें सकारात्मकता और मानसिक शांति बढ़े। कार्यक्रम के अंतर्गत हार्टफुलनेस मेडिटेशन संस्था की प्रशिक्षक अन्नपूर्णा गुप्ता और प्रशिक्षक कल्पना मिश्रा ने बंदियों को ध्यान सत्र कराया, जिससे उन्हें मानसिक संतुलन एवं आत्म-अनुशासन की प्रेरणा मिली। जेल अधीक्षक ने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम बंदियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

15 साल बंद खदान में मजदूर की मौत

48 दिन बाद दर्ज हुई 6 पर हुई एफआईआर

शहडोल। अमलाई ओसीएम खदान हादसे में मजदूर अनिल कुशवाहा की मौत के मामले में पुलिस ने आखिरकार 48 दिन बाद एफआईआर दर्ज कर ली, लेकिन एफआईआर दर्ज होने के साथ ही कई नए सवाल खड़े हो गए हैं। घटना 11 अक्टूबर 2025 की शाम 5:10 बजे हुई थी और पुलिस ने 28 नवंबर 2025 रात 8:12 बजे प्राथमिकी दर्ज की। यानी घटना के दिन से एफआईआर दर्ज होने तक कुल 48 दिन बीत चुके थे, जो पूरे मामले पर पुलिस की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा कर रहा है। एफआईआर धनपुरी थाना प्रभारी द्वारा प्राप्त उस शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है, जिसमें मृतक के परिजनों ने एसईसीएल और आरकेटीसी कंपनी पर गंभीर आरोप लगाए थे। परिजनों ने स्पष्ट तौर पर कहा था कि खदान 15 साल से बंद थी, फिर भी उसमें खतरनाक डंपिंग व फिलिंग कार्य कराया गया। उस जगह न तो फेंसिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न सुरक्षा अधिकारी और न ही बचाव व्यवस्था। इतना ही नहीं, बारिश के कारण खदान में मौजूद 80 मीटर गहरा जलाशय पूरी तरह भरा हुआ था, फिर भी मजदूरों को जोखिम में डालकर काम कराया गया। हादसे के बाद अनिल कुशवाहा ट्रिपर सहित पानी में समा गया और एसडीआरएफ—एनडीआरएफ ने चार दिनों तक खोज की, लेकिन शव बरामद नहीं हुआ। परिजनों ने शिकायत में यह भी कहा कि कंपनी ने जानबूझकर सूचना देने में देरी की, दस्तावेजों में गड़बड़ी की कोशिश हुई और हादसे की गंभीरता को छुपाया गया।

छह अधिकारी आरोपी

धनपुरी पुलिस ने एफआईआर में एसईसीएल और आरकेटीसी के छह लोगों को आरोपी बनाया है, आयोध्या पटेल माइंस सरदार, नील कमल रजक वरिष्ठ अधिकारी, प्रभाकर सिंह पैन इंजीनियर, मुनशिप यादव सुपरवाइजर आरकेटीसी, संजय यादव सुपरवाइजर आरकेटीसी और एक अन्य अधिकारी का नाम शामिल है। इन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) और 3(5) के तहत कार्यवाही दर्ज की गई है। ये दोनों धाराएँ खतरनाक लापरवाही, जीवन के अधिकार के उल्लंघन और सुरक्षा मानकों का पालन न करने से संबंधित गंभीर प्रावधान हैं, लेकिन अब बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या एफआईआर में जानबूझकर सबसे महत्वपूर्ण दो नामों को बाहर रखा गया है?

इनके नाम हुए गायब

आरकेटीसी कंपनी के स्थानीय इंचार्ज अजय यादव, परियोजना प्रबंधक मॉनसन थॉमस दोनों को पुलिस ने थाने बुलाकर उनके बयान तो दर्ज किए, लेकिन एफआईआर में शामिल नहीं किया गया। जबकि परिजनों की शिकायत, मजदूरों के बयान और वायरल वीडियो तीनों में इन दोनों की भूमिका को संदिग्ध बताया गया था। शिकायत के अनुसार काम कराने का आदेश इन्हीं दोनों ने दिया था, और चेतावनी के बावजूद खदान में भारी वाहनों को प्रवेश कराया गया। स्थानीय मजदूर भी यही कहते दिख रहे हैं कि आदेश अजय यादव और मॉनसन थॉमस ही देते थेज काम की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं की थी, इसके बावजूद इन्हें एफआईआर से बाहर रखना पूरे मामले पर सवाल खड़े करता है।

सीवर लाईन ठेकेदार को दुर्घटना का इंतजार

शहडोल । संभागीय मुख्यालय की नगर पालिका अंतर्गत मेन रोड जेल तिराहे के समीप सीवर लाइन विस्तार कार्य के कारण चल रही अव्यवस्थित खुदाई एक बार फिर गंभीर लापरवाही की मिसाल बनकर सामने आई। सीवर लाइन की पाइप बिछाने के लिए सडक़ किनारे खोदी गई नाली में रावतपुरा नर्सिंग कालेज की बस अचानक धंस गई, बस जैसे ही सडक़ के संकरे हिस्से से गुजरी, सीवर लाइन के ठेकेदारों द्वारा खुले छोड़े गए गड्ढे में भरी गीली-मिट्टी अचानक बह गई, जिससे बस का अगला पहिया नाली में घुस गया।घटना के समय बस में रावतपुरा नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं सवार थीं। धंसने की हल्की आवाज़ और बस का संतुलन बिगड़ते ही छात्राओं में घबराहट फैल गई, लेकिन बड़ी दुर्घटना होने से बाल-बाल बचाव हो गया। तुरंत चालक ने समझदारी दिखाते हुए बस को रोका और छात्राओं को सुरक्षित बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने बताया कि सीवर लाइन प्रोजेक्ट के नाम पर दिनों से मेन रोड की खुदाई चल रही है, लेकिन न तो बैरिकेडिंग की व्यवस्था है और न ही चेतावनी बोर्ड लगाए जाते हैं। गड्ढों में कीचड़ भरी रहती है, जिससे आए दिन वाहन फंसते रहते हैं और दुर्घटनाएं टलती-टलते रह जाती हैं। लोगों का कहना है कि सीवर लाईन ठेकेदार की लापरवाही अब पूरे शहर के लिए खतरा बन चुकी है। खुदाई तो कर दी जाती है, लेकिन उसका समय पर समतलीकरण या सुरक्षा इंतज़ाम नहीं किए जाते, जिसके कारण मेन रोड से लेकर कई गलियों तक यातायात अवरुद्ध रहता है।इस घटना ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि यदि नगर पालिका और सीवर लाइन विभाग ने जल्द कठोर कदम नहीं उठाए, तो किसी दिन बड़ी दुर्घटना होना तय है। नागरिकों ने मांग की है कि ठेकेदार पर कार्रवाई की जाए, रोड की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त की जाए और जब तक पूरा कार्य सुरक्षित तरीके से पूरा न हो, तब तक यहां से भारी वाहनों का संचालन रोका जाए।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले के सीधी थाना क्षेत्र अंतर्गत फरियादी (नाबालिग के पिता) द्वारा 07 सितम्बर को अपनी नाबालिग पुत्री उम्र 17 वर्षीय के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। फरियादी की रिपोर्ट फरियादी को शंका थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाया गया है। उक्त सूचना पर सीधी पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना में लिया गया था एवं नाबालिग बालिका की पता-साजी प्रारंभ की जाकर बालिका को सुरक्षित दस्तयाब किया गया था। दस्तयाबी उपरांत बिलाका के कथन लेखबद्ध किए गए। बालिका के कथन में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी द्वारा उसके साथ दुष्कर्म (गलत काम) किया गया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस थाना सीधी द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए, आरोपी राजेश उर्फ जुल्लू बैगा पिता रामप्रसाद बैगा उम्र 28 वर्ष, निवासी मरखोही, थाना जनकपुर, जिला एमसीबी, छत्तीसगढ़ को 02 दिसम्बर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध पुलिस थाना सीधी में अपराध बी.एन.एस. एवं पॉक्सो अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर गिरफ्तारी के उपरांत, आरोपी राजेश उर्फ जुल्लू बैगा को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

जन्मदिन उत्सव
महाबम्पर ड्रा
सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि पाठकों के लिए जन्मदिन उत्सव योजना चलायी गई थी। जिसमें भाग्यशाली पाठकों के उपहार वितरण की सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

खबर संक्षेप

विश्व एडस दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल उमरिया से एचआईव्ही के प्रति जागरूकता रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा व्ही एस चंदेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डॉ. के सी सोनी एवं डॉ संदीप सिंह के द्वारा विद्यार्थियों को एचआईव्ही के फैलने एवं उसके बचाव के संबंध में जानकारी दी। नोडल अधिकारी एड्स नियंत्रण समिति डॉ.मुकुल तिवारी द्वारा जनमानस से अपील की है कि सभी जन समुदाय को जागरूक करने हेतु सहयोग प्रदान करे। इस अवसर पर बी आर राहंगडाले (डी. सी), एस. पी. गुप्ता (डी पी सी) शिवांशु सिंगौर , अनुज रजक (आई सी टी सी लैब तकनीशियन) वंदना सिंह (परामर्शदाता आई सी टी सी) , प्रियंका यादव और पैरामेडीकल विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गिटटी का परिवहन करते ट्रक जप्त

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिले मे खनिज का अवैध परिवहन, भंडारण पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए थे, निर्देश परिपालन में प्रभारी अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मो की टीम द्वारा तहसील चंदिया अंतर्गत ग्राम बांका से खनिज गिट्टी का परिवहन करते हुये पाये जाने पर वाहन ट्रक क्रमांक एमपी 54जेडबी 7747 वाहन मालिक दयाल स्टोन क्रेशर को जप्त किया जाकर प्रकरणों में म.प्र. खनिज अवैध (खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 में निहित प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है।

गीता महोत्सव पर सरस्वती स्कूल मानपुर में कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। गीता महोत्सव के अवसर पर मानपुर स्थित सरस्वती स्कूल में गीता के 15वें अध्याय का वाचन आचार्यो व्दारा किया गया,जिसे उपस्थित जनों ने दोहराया। एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी ने कहा कि श्रीमदभागवत गीता से हमे अपने कर्म पथ पर दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ चलने की प्रेरणा मिलती है। सत्कर्म के माध्यम से मनुष्य को अपने आप में ही दिव्यता का अनुभव होता है। गीता निस्वार्थ भाव से दूसरे के हित में सत्कर्म ही यथार्थ आध्यात्मिक साधना है। श्रीमदभागवतगीता की अमरवाणी परम सत्य से साक्षात्कार कराती है। इस अवसर पर ए एई जनपद मानपुर,स्कूल के प्रचार्य एवं शिक्षक सहित 500 बच्चों ने हिस्सा लिया।

स्थानांतरित उपयंत्री सत्य प्रकाश की रिश्वतखोरी से रुका भुगतान

प्रधानमंत्री के 'आदर्श पंचायत' में भ्रष्टाचार की चाल!

एमबी लेकर भाग गया इंजीनियर, बिना रिश्वत मूल्यांकन नहीं

शहडोल। बुढ़ार जनपद की ग्राम पंचायत पकरिया वही गांव जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो वर्ष पहले आदिवासियों के बीच बैठकर भोजन किया था और इसे आदर्श ग्राम बनाने का संकल्प जताया था। उसी गांव में अब एक स्थानांतरित उपयंत्री सत्य प्रकाश गुप्ता की रिश्वतखोरी ने सरकारी योजनाओं का गला पकड़ रखा है। जिले के बुढ़ार जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत पकरिया में भ्रष्टाचार की ऐसी परतें सामने आई हैं, जिसने शासन की समग्र ग्राम विकास की मंशा पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं।

आदिवासी सरपंच और ग्रामीणों ने मंगलवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति को लिखित शिकायत देकर बताया कि पंचायत में एक महत्वपूर्ण योजना 'एक बगिया मां के नाम' का निर्माण कार्य हितग्राही श्रीमती रेखा चौधरी को स्वीकृत हुआ था। यह निर्माण लगभग दो से ढाई माह पहले पूरा हो चुका है, मगर भुगतान इसलिए लंबित है, क्योंकि मूल्यांकन करने वाले उपयंत्री सत्य प्रकाश गुप्ता ने खुलेआम रिश्वत की मांग कर रखी है।

गंभीर अनियमितता

ग्रामीणों और सरपंच का आरोप है कि सत्य प्रकाश पहले भी मामूली लेन-देन की बात करते थे, मगर इस बार उन्होंने साफ कह दिया कि जब तक पर्याप्त हिस्सा नहीं मिलेगा, तब तक एमबी नहीं भरूंगा। इसी बीच उनका स्थानांतरण प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक़ योजना में कर दिया गया और वे आरईएस विभाग छोडक़र नए पदस्थापन पर चले गए। मगर रिश्वतखोरी का नंगा खेल यहीं खत्म नहीं हुआ, उक्त उपयंत्री जाते-जाते मापन पुस्तिका (एमबी) भी अपने साथ ले गए, जो भुगतान जारी करने का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज है। नए पदस्थापित उपयंत्री नीलिमा श्रीवास्तव के अनुसार यदि सत्य प्रकाश एमबी दबाकर बैठे हैं और मूल्यांकन रोककर पंचायत व मजदूरों को परेशान कर रहे हैं तो यह गंभीर अनियमितता है और इसकी जांच आवश्यक है।

सरपंच-सचिव लगा रहे चक्कर

ग्राम पंचायत का कहना है कि मजदूर दो महीनों से भुगतान के लिए रोज सरपंच और सचिव के पास चक्कर लगा रहे हैं। निर्माण में लगाए गए पौधों और सामग्री के लिए भी आपूर्तिकर्ताओं का भुगतान रुका हुआ है। आदिवासी सरपंच का दर्द यह है कि हम जिस सरकारी योजना को गर्व से पूरा दिखाना

कार्यालय ग्राम पंचायत पकरिया, जनपद पंचायत बुढ़ार, जिला शहडोल (म.प्र.)

चाहते थे, उसी का मूल्यांकन एक रिश्वतखोर इंजीनियर ने बंधक बना लिया है। इस मामले को और गंभीर इसलिए माना जा रहा है क्योंकि इसी गांव पकरिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो वर्ष पहले पहुंचे थे। उनकी यात्रा के दौरान पूरे गांव को दुल्हन की तरह सजाया गया था।

उपयंत्री की रिश्वतखोरी

प्रधानमंत्री ने यहां की महिलाओं, बच्चों और आदिवासी भाई-बहनों से खुलकर संवाद किया था और गांव को एक आदर्श पंचायत बनाने का संकल्प प्रशासन को सौंपा था। इतना ही नहीं, पकरिया गांव के समीप लालपुर मैदान से प्रधानमंत्री न पेसा एक्ट के क्रियान्वयन की शुरुआत भी की थी, जो आदिवासियों की भूमि, संसाधन और अधिकारों को संरक्षित करने का महत्वपूर्ण कानून है, लेकिन विडंबना यह कि जिस गांव को आदर्श ग्राम के तौर पर पेश किया गया था, वहीं आज आदिवासी हितग्राही को उसकी योजना का भुगतान नहीं मिल रहा क्योंकि एक सरकारी उपयंत्री की रिश्वतखोरी ने पूरा सिस्टम ठप कर दिया है।

पेसा एक्ट का उड़ाया जा रहा मजाक

ग्रामीणों का कहना है कि यह अच्छे शासन की वह परछाईं है जिसने अब अंधेरा घना कर दिया है। प्रधानमंत्री के दौरे और उनके संदेश का क्या अर्थ रह गया जब आदिवासी हितग्राही के लिए बनी योजना ही वर्षों की भ्रष्ट मानसिकता की भेंट चढ़ जाए? क्या यह पेसा एक्ट की भावना के साथ मज़ाक नहीं है, जिसमें आदिवासी अधिकारों की रक्षा की बात कही गई है? पंचायत की पीड़ा है कि अगर उसी गांव में भ्रष्टाचार यूं खुलेआम नाचे, जिसे देश के प्रधानमंत्री ने आदर्श बनाने की घोषणा की थी, तो प्रदेश सरकार किस विकास मॉडल की बात करती है?

जांच के बाद होगी कार्यवाही

इस पूरे प्रकरण पर आरईएस शहडोल के कार्यपालन यंत्री के.पी.पटेल ने कहा कि सत्य प्रकाश का स्थानांतरण हो चुका है और अब विभाग से उनका कोई संबंध नहीं है। यदि एमबी दबाकर रखने और भुगतान रोकने जैसा कृत्य हुआ है, तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति से संपर्क करने की कोशिश की गई, मगर उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। रिश्वतखोरी के आरोपों के घेरे में आए उपयंत्री सत्य प्रकाश गुप्ता से भी कई बार फोन पर बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

मतदान केंद्रो के युक्तियुक्तकरण के संबंध मे बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 मतदान केंद्रो के युक्तियुक्तकरण के संबंध मे बैठक कलेक्टर सभागार में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों के साथ संपन्न हुई । बैठक में मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र 89 बांधवगढ में पहले 285 मतदान केंद्र थे, अब आयोग से अनुमोदन के पश्चात कुल संख्या 302 हो गई है । इसी तरह 90 मानपुर विधानसभा क्षेत्र में 328 मतदान केंद्र थे , अब 341 मतदान केंद्र हो गये है । इस तरह बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 17 तथा मानपुर विधानसभा क्षेत्र में 13 मतदान केंद्र आयोग के अनुमोदन पश्चात मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ी है । उन्होने बताया कि 89 बांधवगढ में कुल मतदाताओ की संख्या 231021 तथा मानपुर विधानसभा क्षेत्र 90 मानपुर में 251908 है। कुल मतदाताओ की संख्यान 482929 है। उन्होने बताया कि अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के मान से निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 कार्यक्रम अब 11 दिसंबर तक किया जाएगा । मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 16 दिसंबर को किया जाएगा । दावे और आपत्ति दाखिल करने की अवधि 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक निर्धारित की गई है । गणना प्रपत्रो पर निर्णय और दावो तथा आपत्तियों का निपटान ईआरआओ व्दारा 16 दिसंबर से 7 फरवरी तक किया जाएगा । मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी को किया जाएगा । इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी रीता डेहरिया, प्रभारी एसडीएम कमलेश नीरज सहित मान्यरता प्राप्त राजनैतिक दलो के पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में आवेदकों की सुनी समस्याएं

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिले के दूर दराज से आए 47 आवेदको की समस्याओं को सुना तथा शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित विभाग की ओर आवेदन प्रेषित किया । जनसुनवाई में संजय कोल ग्राम खुटार ने आने जाने हेतु रास्ता दिलाने, संतोष, राजा, श्यामलाल , लक्ष्मी प्रदीप सहित ग्राम पाली के ग्रामीणों ने पानी की समस्यां से निजात दिलाने, पप्पू रैदास बरबसपुर ने बिजली बिल सुधरवाने, प्रहलाद यादव चंदिया ने तीन पहिया मोटर सायकिल दिलाने, जुंता बाई ग्राम गिंजरी ने विधवा पेंशन दिलाने, सम्हारू बैगा कोहका- 82 ने विकलांग पेंशन दिलाने, लवकेश बैगा ग्राम भडारी ने पी एम आवास योजना के तहत आवास दिलाने, लेख कुमार खलेसर ने झुग्गी झोपडी का पटटा दिलाने, सियाराम ग्राम बरबसपुर ने अमृत सरोवर तालाब में ट्रेक्टर ट्राली की राशि का भुगतान कराने तथा रमेश चर्मकार ग्राम नदावन ने पुत्री संध्या एवं सविता का आधार कार्ड अपडेट कराने संबंधी आवेदन दिया । इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, प्रभारी एसडीएम कमलेश नीरज, तहसीलदार दिलीप सोनी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम

उमरिया। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस रणविजय प्रताप सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उमरिया में रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के साझा तत्वावधान से विश्व एड्स दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अरविंद शाह बरकड़े सहप्राध्यापक अर्थशास्त्र एवं जिला संगठक (एन एस एस) के कुशल नेतृत्व में किया गया । महाविद्यालय संरक्षक प्राचार्य डॉ. विमला देवी मरावी ने कहा कि एड्स से समाज को मुक्त करने के लिए युवा पीढ़ी का जागरूक और संवेदनशील होना जरूरी है । समाज की सबसे शसक्त इकाई युवा होता है और उसका स्वास्थ्य उसकी जागरूकता पर निर्भर करता है। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.पी. डी. रावत ने बताया कि युवाओं को चाहिए की वह किसी भी निर्णय का चयन करने से पहले सोचे, समझें और फिर क्रियान्वयन करें । शकील मंसूरी ने कहा कि एड्स के लक्षण, इलाज की प्रक्रिया, एड्स से बचाव के लिए ध्यान रखने वाले जरूरी कदम के बारे मे बताया। एन एस एस अधिनायक शिवांश सिंह सेंगर ने आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम की सफलता में एन एस एस अधिनायक शिवांश सिंह सेंगर, सह अधिनायक ओम तिवारी और समस्त स्वयंसेवकों के योगदान व समर्पण से संपन्न हुआ।

किशोरी के अपहरण मामले मे आरोपी उड़ीसा से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज कोतमा। पुलिस ने 16 वर्षीय किशोरी के अपहरण के मामले में आरोपी अफरीद खान उर्फ बबलू 18 वर्ष को उड़ीसा राज्य से गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। किशोरी को सकुशल दस्तयाब करते हुए थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ल ने बताया कि 12 नवंबर को किशोरी अचानक लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश किया जा रहा था। पुलिस ने सहेलियों के बयान एवं साइबर सेल जांच पर अपहता की उड़ीसा में होने की जानकारी मिली। बताया जाता है कि आरोपी के द्वारा 16 वर्षीय नाबालिक किशोरी से मोबाइल के माध्यम से इंस्टाग्राम के माध्यम से दोस्ती बढ़ाते हुए शादी का झांसा देकर अपहरण करते हुए उड़ीसा ले गया। अपहरणकर्ता अफरीद खान उर्फ बबलू पिता बासा उर्फ बादशाह खान निवासी सरोढा जिला नवागढ़ थाना नवागांव की गिरफ्तारी के बाद धारा 64 (1) एवं पॉक्सो के तहत 3,4,5, 6 की धारा बढ़ाई गई पुलिस की जांच एवं साइबर सेल की मदद से किशोरी के 700 किलोमीटर दूर उड़ीसा में होने का पता चला। प्रधान आरक्षक रामखेलावन यादव ज्ञानेंद्र पासी एवं महिला आरक्षक पिंकी प्रजापति की टीम बनाकर अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर कोतमा लाया गया। आरोपी को न्यायालय पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

इनका कहना है

20 दिनों पूर्व किशोरी के अपहरण के मामले में उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम भेजकर सकुशल दस्तयाब किया गया। आरोपी को न्यायालय मे पेश कर जेल भेजा गया है।

रत्नांबर शुक्ल
थाना प्रभारी, कोतमा

अमरकंटक में धूमधाम से आयोजित हुई गीता जयंती

मुरली मनोहर मंदिर प्रांगण में श्रद्धा से गूंजे गीता संदेश

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र तपोभूमि अमरकंटक में सोमवार 1 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ। यह आयोजन नर्मदा उद्गम क्षेत्र स्थित मुरली मनोहर (राधाद्कृष्ण) मंदिर के सामने किया गया, जिसमें नगर की विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भगवान श्रीकृष्ण की आरती के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रीमद् भगवद्गीता के 15वें अध्याय का सामूहिक पाठ किया गया। हायर सेकेंडरी विद्यालय के विद्यार्थियों ने क्रमबद्ध रूप से श्लोकों का सस्वर पाठ किया। शिक्षक जितेंद्र तिवारी द्वारा प्रत्येक श्लोक का सरल हिंदी भावार्थ प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को गीता के गूढ़ संदेश से अवगत कराया गया। यह आयोजन नगर परिषद अमरकंटक के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ, जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष पार्वती सिंह उइके, सीएमओ चैन सिंह परस्ते सहित पीएम श्री हायर सेकंडरी स्कूल अमरकंटक, पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय एवं कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन अमरकंटक के शिक्षकद्शिक्षिकाओं एवं छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की। बड़ी संख्या में नगरवासी, मंदिर के पुजारी, विभिन्न समितियों के सदस्य, स्वयंसेवक एवं तीर्थयात्री भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिक्षक जितेंद्र तिवारी, शिक्षक महेश्वर द्विवेदी, पीटीआई प्रकाश सिंह चौहान, नर्मदा मंदिर के पुजारी पंडित वंदे महाराज, गणेश पाठक, चैन सिंह मंडलोई, सनत कुमार पांडेय, मेघा सिंह, राजकुमार, उमाशंकर परमार, बैजनाथ सिंह, ननका जायसवाल एवं श्रवण उपाध्याय की विशेष उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में पंडित वंदे महाराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता का उपदेश आज भी मानव जीवन के लिए प्रकाशपुंज है। जब मनुष्य प्रत्येक जीव में ईश्वरत्व का अनुभव करने लगे, तभी वह धर्म, कर्तव्य और मानवता के वास्तविक स्वरूप को समझ सकता है। कार्यक्रम का समापन गीता के अमृत संदेशों को समाज में व्यापक रूप से प्रसारित करने के संकल्प के साथ किया गया। अंत में सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप हलुआ वितरित किया गया।

स्वास्थ्य सुलभता बढाने में अदाणी फाउंडेशन का महत्वपूर्ण योगदान

कोतमा। जिले के अदाणी फाउंडेशन अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन हेतु प्रतिबद्ध है, जिसके तारतम्य में फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण समुदायों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 20 निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों की योजना बनाई गई, जिसके तहत क्षेत्र के कुशल चिकित्सकों की उपस्थिति में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं दवा वितरण का सफल आयोजन अनूपपुर जिले में कोतमा तहसील के ग्राम उमरदा में 27 नवंबर को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ

दिलीप

जायसवाल, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे, शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री जायसवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सरकार की प्राथमिकता हैं। उन्होने अदाणी फाउंडेशन की सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की और कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण जनता के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होते है। शिविर में शिशु एवं सामान्य रोग आदि की जांच के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम मौजूद रही। चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं दवाइयों निःशुल्क वितरित की। अदाणी फाउंडेशन की ओर से सी.एस. आर. मैनेजर तरूण शर्मा ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित जानकारी प्रदान की व साथ ही बताया कि यह स्वास्थ्य शिविर अन्य ग्रामों में भी लगाया जा रहा है, जिसका लाभ अधिकतम ग्रामीणोंजनों को मिल रहा है।

खबर संक्षेप

होटलों के जल्दी बंद कराने से खतरा और बढ़ा

ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत रेलवे क्रॉसिंग ब्रिज के आगे चाय नाश्ता की दुकान खुली हुई है विगत दिनों एक होटल में गोदावाल मौहर में हुई घटना के आरोपी को पकड़ा गया था इसके बाद से यहां पर की सारी दुकान रात में 12:00 बजे के बाद बंद करा दी जाती है इस कारण से पूरे मानपुर तिराहा में अंधेरा छाया रहता है और सुनसान होने के कारण और खतरा बढ़ गया है रात में पूरी की तरफ से रेत लेकर के आने वाले हाईवे यहां पर रख कर चाय नाश्ता करते थे वह भी अब नहीं रुक पाते दुकानदारों का व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है जबकि वहीं थोड़ी दूर पर वन विहार ढाबा पूरी राज संचालित होता उसको कोई बंद कराने वाला नहीं है स्टेट हाइवे के किनारे होटल दुकानों को बंद करने का नियम भी नहीं है क्योंकि पूरी रात ट्रैफिक रहता है और दूर से यदि कोई आ रहा हैं तो उनको चाय आदि की सुविधा उपलब्ध हो सके यह मुख्य मार्ग है जो कि छत्तीसगढ़ से होकर उड़ीसा और झारखंड तक जाता है वहीं इलाहाबाद बनारस से भी जुड़ा हुआ स्थानीय दुकानदार ने कहा कि मेरी दुकान में कैमरा लगा हुआ है मैं किसी के सामाजिक तत्व को नहीं बैठने देता ना गलत कार्यों में संयुक्त रहता हूं ने स्थानी होटल संचालक ने मांग कि है की जो दुकान संचालक गलत कार्यों से जुड़ा हुआ उसके खिलाफ कार्रवाई करें लेकिन सब की दुकान बंद नहीं करायें क्योंकि इससे दुकानों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है तिराहे में पहले रेत जांच नाका था वह भी अब बंद हो गया है तिराहे में पूरी तरह से अंधेरा रहता है जिससे दुकानदारों को भी खतरा है दुकानदारों ने पूर्व की तरह होटल संचालन के लिए छूट की मांग की है।

आज दिव्यांगों की आयोजित की जाएगी खेलकूद प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में 3 दिसंबर को प्रातः 10:30 बजे से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर के खेल मैदान में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी ने देते हुए बताया है कि विश्व दिव्यांग दिवस पर दिव्यांगों की निर्धारित खेलकूद प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

शहपुरा में संत रामपाल महाराज का सत्संग, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

शहपुरा। शहपुरा नगर में आयोजित संत रामपाल महाराज के सत्संग कार्यक्रम में रविवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सत्संग स्थल पर सुबह से ही दूर-दराज से आए लोगों का तांता लगा रहा।संत जी ने कबीर साहेब की वाणी"दुख में सुमिरन सब करे, सुख में करे न कोय।

जो सुख में सुमिरन करे, तो दुख काहे को होय—

सत्संग के दौरान संत रामपाल महाराज ने सत्य भक्ति, मोक्ष मार्ग और मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही और देर शाम तक श्रद्धालु सत्संग का लाभ लेते रहे।आयोजकों के अनुसार शहपुरा और आसपास के क्षेत्रों में आगे भी सत्संग और आध्यात्मिक प्रवचन के कार्यक्रम जारी रहेंगे।

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में विश्व एड्स दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम संपन्न

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन एवं रासेयो प्रभारी डॉ. सीमा डावर और डॉ. स्वर्णिम पटेल रेडक्रास एवं रेड रिबन प्रभारी की मार्गदर्शन में विश्व एड्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. स्वर्णिम पटेल ने एड्स की रोग संपर्क यौन, अवैध दवाओं का सेवन, साझा सुइयों का उपयोग और संक्रमित रक्त के संपर्क से फैल सकता हैं।

शहडोल की खदानें अभी तक नहीं चालू, मनमानी दाम पर बिक रही रेत

सहकार ग्लोबल और महाकाल ने मिलाया हाथ

शहडोल जिले में रेत खनन करने वाली कंपनी सहकार ग्लोबल एवं उमरिया जिले में रेत खनन करने वाली कंपनी महाकाल जो कि भाजपा विधायक संजय पाठक की है दोनों कंपनियां द्वारा शहडोल एवं उमरिया जिले में जमकर अवैध खनन किया जा रहा है

ब्यौहारी।

शहडोल के पड़ोसी जिले में कलेक्टर द्वारा खनन के आदेश जारी कर दिए गए लेकिन शहडोल जिले में सहकार ग्लोबल का इतना रसूख है कि कलेक्टर के आदेश को भी प्रभावित कर रही है और रोक लगा रही है क्योंकि पिछले साल 1 नवंबर से रेत खनन के आदेश जारी कर दिए गए थे लेकिन इस साल पूरा नवंबर बीत गया दिसंबर आ गया अभी तक कलेक्टर के आदेश जारी नहीं हुए आदेश नहीं जारी होने के पीछे कहीं ना कहीं रेत खनन करने वाली कंपनी का दबाव माना जा रहा है क्योंकि यदि समीपी जिले उमरिया में आदेश जारी हो गया तो शहडोल में क्यों नहीं हुआ आदेश जारी नहीं होने देने के पीछे कंपनी का यह मकसद है कि हम पहले ही महाकाल से हाथ मिला चुके हैं अब हमको कोई बोलने वाला है नहीं और यदि शहडोल में खदानें चालू होती है तो जो हमें अतिरिक्त कर्मचारी और लाइजनिंग का खर्च आता है वह हमारा पूरा बचेगा और हमको कमाई भी पूरी होती रहेगी इस तरह से दोनों कंपनियां सिंडिकेट बनाकर काम कर रही है और शासन को चूना लगा रही हैं ऐसे में यदि सहकार ग्लोबल खनन शुरू नहीं करती तो शासन को चाहिए कि उसका ठेका रद्द करके फिर से नीलामी की जाए महाकाल मिनरल्स के उमरिया जिले की अमिलिया खदान से प्रतिदिन सैकड़ों ओवरलोड हाईवा व्यवहारी से रीवा इलाहाबाद तक जाते हैं सोन नदी का सीना पूरी ताकत से छलनी किया जा रहा है जिससे पर्यावरण एवं जलीय जीवों को खतरा है शासन प्रशासन पूरी तरह से अनजान बना हुआ है क्योंकि प्रतिदिन लगभग 300 हाईवा रेत रीवा की ओर भेजी जा रही है वहां से रेत इलाहाबाद की ओर भेजी जाती है अधिकांश गाड़ियां ओवरलोड रहती है और एक ओवरलोड गाड़ी में तीन से चार ट्रॉली रेत अतिरिक्त रहती है जिसका पैसा सीधे-सीधे शासन और प्रशासन की जेब में जा रहा है इसीलिए इस अंधेरगर्दी के बाद भी शासन एवं जनप्रतिनिधि चुप्पी साधे हुए हैं विपक्षी कांग्रेस पार्टी भी चुपचाप इस तमाशे को देख रही कोई धरना प्रदर्शन नहीं कर रही है इसके अतिरिक्त एक ही टीपी में नजदीक में दो चक्कर मार दिया जाता है क्योंकि माइनिंग पुलिस और प्रशासन सबको कंपनी ने अपने बस में कर लिया है । सहकार ग्लोबल ने अभी तक नहीं शुरू किया खनन - शहडोल जिले में खनन करने वाली कंपनी सहकार ग्लोबल ने अपने एरिया वाले शहडोल जिला में खनन शुरू नहीं किया इसका कारण यह है कि महाकाल और सरकार ने आपस में सिंडिकेट बना लिया है और मनमाने दाम पर रेत को बेचा जा रहा है व्यवहारी में रेत जांच नाका बंद कर दिया गया एवं कर्मचारियों को हटा दिया गया है क्योंकि सहकार ग्लोबल कंपनी के पास शहडोल से लगे सीधी और सिंगरौली जिले में भी खनन कर रही है लेकिन कंपनी की सांठगांठ से आम जनता को काफी नुकसान हो रहा है क्योंकि जनता को महंगी रेत मिल रही है और राजस्व की भी चोरी हो रही है । सोन घड़ियाल के लिए भी टीपी जारी करती है सहकार ग्लोबल- सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सोन घड़ियाल से प्रतिदिन 70 हाईवा रेत निकलती है और रीवा इलाहाबाद की ओर जाती है सहकार ग्लोबल की खदानें सीधी जिला में है इसलिए सोन घड़ियाल से निकलने वाले अवैध रेत को पैसा लेकर के अपनी कंपनी की टीपी जारी कर दिया जाता है इसके लिए अलावा व्यवहारी क्षेत्र में भी अवैध खनन करके रात में हाईवा लोड करा कर इनको कंपनी द्वारा टीपी प्रदान कर दिया जाता है और वह बैध रेत हो जाती खनिज संसाधनों से होने वाली आय पर जनता का सीधा हक है यदि इस तरह से जनता के हक को लूटा जा रहा है खनन कंपनियों द्वारा तो मुख्यमंत्री एवं खनिज मंत्री को श्री शीघ्र इनके खिलाफ कार्रवाई करना चाहिए जिससे कंपनियों की तानाशाही पर लगाम लग सके।

इनका कहना है

ओवरलोड पर कार्रवाई करना मेरा काम नहीं है परिवहन विभाग करें।

समय लाल गुप्ता
माइनिंग अधिकारी ब्यौहारी।

नर्मदा परिक्रमा करने वाले व्यक्तियों को

ग्राम पंचायत जारी करेंगी परिचय प्रमाण पत्र

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायतो को जारी किए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नर्मदा नदी को दैवीय जीवन दायिनी मां नर्मदा के रूप में जाना एवं पूजा जाता है तथा जीवन दायिनी मां नर्मदा की परिक्रमा प्रदेश एवं देश के अनेकों श्रद्धालुओं द्वारा प्रत्येक वर्ष नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक से लेकर अरब सागर और वापस अमरकंटक तक की जाती है। ग्रामीण क्षेत्र के नर्मदा परिक्रमा वासियों के पास नर्मदा परिक्रमा वासी होने संबंधी उपयुक्त दस्तावेज न होने से परिक्रमा के रास्ते में आने वाले ग्राम अथवा ग्राम पंचायत में प्रवेश के दौरान परिक्रमा वासी अपनी पहचान को सिद्ध करने में सुविधाओं का सामना करते हैं जिसे दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन पंचायत राज संचालनालय मध्य प्रदेश द्वारा नर्मदा परिक्रमा करने वाले परिक्रमा वासी व्यक्तियों को ग्राम पंचायत द्वारा प्रमाण पत्र जारी किए जाने के संबंध में परिपत्र जारी कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। राज्य शासन के आदेशानुसार जिले के सभी ग्राम पंचायतो को नर्मदा परिक्रमा करने वाले परिक्रमा वासियो/व्यक्तियों को प्रमाण पत्र जारी किए जाने के संबंध में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। नर्मदा परिक्रमावासीयो को प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए अपने ग्राम पंचायत में सादे कागज पर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। आवेदन के साथ दो फोटो व एक परिचय आईडी प्रदान करना होगा ग्राम पंचायत द्वारा आवेदन प्राप्त होते ही परिक्रमा वासियों को निर्धारित प्रारूप- 2 में प्रमाण पत्र जारी करेगी तथा निर्धारित प्रारूप तीन में पंजी का संधारण करेगी। ग्राम पंचायत द्वारा परिक्रमा वासियों को प्रमाण पत्र जारी करने से यह सुविधा होगी कि वह नर्मदा परिक्रमा के दौरान नर्मदा घाटी से लगे किसी भी ग्राम में सरलता से प्रवेश कर सकेंगे तथा रास्ते में आवश्यक होने पर नर्मदा परिक्रमावासी होने के प्रमाण स्वरूप ग्राम पंचायत द्वारा जारी प्रमाण पत्र दिखा सकेंगे स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन द्वारा भी इस प्रमाण पत्र को नर्मदा परिक्रमा वासी की पहचान के रूप में मान्य किया जाएगा।

बरौनी -गौदिया के स्टापेज की मांग को लेकर डी आर एम को ज्ञापन

एन एस यू आई ने रेलवे की समस्याओं को उठाया

बिरसिंहपुर पाली

एन एस यू आई के प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया के नेतृत्व में आज डी आर एम दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के नाम को संबोधित ज्ञापन स्टेशन मास्टर को सौंपा। एन एस यू आई के ज्ञापन में बिरसिंहपुर पाली रेलवे स्टेशन की समस्याओं के साथ मुख्य रूप से बरौनी- गौदिया एक्स्प्रेस के स्टापेंज को उठाया गया। बिरसिंहपुर पाली इस मार्ग का महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है, जहाँ से प्रतिदिन हजारों लोगों का आना जाना होता है और बरौनी से गौदिया के लिए सीधी एक रेल गाड़ी है। बिरसिंहपुर पाली में राज्य स्तरीय विद्युत उत्पादन केन्द्र संजय गाँधी ताप परियोजना और जोहिला क्षेत्र की प्रमुख कोयला खदाने है जिस कारण से अन्य प्रांतों के लोगों का आवागमन लगातार बना रहता है जिस वजह से इस सवारी गाड़ी के स्टापेंज की मांग लगातार बनी हुई है लेकिन इस ट्रेंन का ठहराव बिरसिंहपुर पाली को अभी तक नहीं मिल पाया। इस ट्रेंन के ठहराव मिलने से इस क्षेत्र को बड़ी सुविधा मिल जायेगी, इस दृष्टि से एन एस यू आई ने प्रमुखता से उठाया है।आज ज्ञापन देने वालों में क्षेत्र के विद्यार्थियों, एन एस यू आई के पदाधिकारियों और नगर के प्रमुख नागरिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला महासचिव युवा कांग्रेस सानू प्रकाश उपाध्याय, युवा कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष जांनी तिवारी, साजिद वारिशी, दुर्गुश नामदेव, फैजान नियाजी हर्षित तिवारी, लकी वर्मा, तौशीफ आसिफ,इत्यादि लोगों ने उपस्थित रहें।

अधिकारों के प्रति जागरूक करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी- श्रीमती शिवानी पंचोली

जिला चिकित्सालय के वन स्टॉप सेंटर में आयोजित हुआ जन जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला चिकित्सालय अनूपपुर के वनस्टॉप सेंटरसखी में आज महिला एवं बाल विकास विभाग ने महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों पर एक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में पास्को अधिनियम 2012, घरेलू हिंसा अधिनियम2005 तथा कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम2013 के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। कलेक्टर हर्षल पंचोली की धर्मपत्नी श्रीमतीशिवानी पंचोली ने इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने कहा, "महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के शिकार होने पर तुरंत वनस्टॉप सेंटर या पुलिस से संपर्क करें।" उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके सामाजिक भूमिका को मजबूत करने के महत्व पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एस सी राय, सिविल सर्जन डॉ एस आर परस्ते,स्वास्थ्य कर्मचारियों तथा महिलाओं एवं बालिकाओं ने भी भाग लिया। उन्होंने महिलाओं एवं बालिकाओं को कानूनी सहायता, चिकित्सा सुविधा और मनोवैज्ञानिक समर्थन उपलब्ध कराने के लिए स्थापित सेवाओं की जानकारी दी। मुख्य वक्ता श्रीमती शिवानी पंचोली ने अपने संदेश में कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में महिलाओं और बच्चों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना तथा उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बालिका जन्म के उत्सव के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम को सराहते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षिक सत्रों से महिलाओं और बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अपने अधिकारों के लिए आवाज़ उठाने में सक्षम होंगी। इस अवसर पर महिला एंव बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला और बालिकाओं के लिए समय-समय पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसमें उनके हित संवर्धन के लिए लागू कानून की जानकारी भी मुहैया कराई जाती है उन्होंने शासन की व्यवस्थाओं का लाभ उठाने की अपील बालिकाओ और महिलाओं से की। कलेक्टर हर्षल पंचोली की धर्मपत्नी श्रीमती शिवानी पंचोली ने जिला चिकित्सालय शिशु वार्ड में पहुंचकर बालिका जन्म को उत्सव के रूप मे प्रोत्साहित करने हेतु नवजात बालिकाओ को गर्म कपड़े का वितरण किया।

सारसडोली में सीसी रोड उखाड़कर नई सड़क निर्माण की तैयारी

डिंडौरी। मेंहदवानी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सारसडोली के बीचटोला में सड़क निर्माण कार्य को लेकर गंभीर अनियमितताएँ सामने आई हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पहले से बनी सीसी सड़क को बिना किसी सरकारी आदेश, बिना अधिकारी की अनुमति और बिना जनप्रतिनिधियों को सूचना दिए ही उखाड़ दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीसी रोड पूरी तरह ठीक थी, लेकिन ठेकेदार द्वारा मनमाने ढंग से सड़क तोड़कर उसी की मिट्टी, पत्थर और बौल्डर को दोबारा भराव के रूप में डालकर नई सड़क बनाने की तैयारी की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार 4 से 5 माह पहले भी सरासडोली में इसी प्रकार रोड के ऊपर रोड बनाकर सरकारी राशि का भारी दुरुपयोग किया गया था। दुर्भाग्यपूर्ण यह कि कुछ ही महीनों में वह सड़क उखड़ने लगी, लेकिन न तो विभाग ने जांच की और न ही जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई हुई।

श्री कल्याण सेवा आश्रम ने कराया आधुनिक एवं व्यवस्थित मुक्तिधाम का निर्माण

नगरवासियों की वर्षों पुरानी आवश्यकता हुई पूरी

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। श्री कल्याण सेवा आश्रम, अमरकंटक द्वारा नगरवासियों की जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए एक आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं सुविधायुक्त मुक्तिधाम का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। यह पुनीत एवं मानवसेवी कार्य आश्रम के प्रबंध निवासी स्वामी हिमाद्रि मुनी जी महाराज की दूरदर्शी सोच, सामाजिक संवेदना एवं लोककल्याण के प्रति समर्पण का सशक्त उदाहरण है। पूर्व में नगर में स्थित मुक्तिधाम में बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ जल, विद्युत प्रकाश तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। अंतिम संस्कार

जैसे अत्यंत संवेदनशील समय में शोकाकुल परिजनों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। साथ ही मुक्तिधाम का सड़क के समीप स्थित होना विद्यालय जाने वाले बच्चों पर मानसिक एवं भावनात्मक प्रभाव भी डालता था, जिसे लेकर स्वामी हिमाद्रि मुनी जी महाराज निरंतर चिंतित रहते थे। इन सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए स्वामी जी के मन में एक स्वच्छ, सुरक्षित एवं पूर्णतः व्यवस्थित मुक्तिधाम की परिकल्पना उत्पन्न हुई। उन्होंने नगरहित को सर्वोपरि रखते हुए इस योजना को मूर्त रूप देने का संकल्प लिया। नव-निर्मित मुक्तिधाम में चारों ओर बाउंड्री वॉल, स्वच्छ जल की व्यवस्था, विद्युत प्रकाश, पक्की सड़क, छायादार विश्राम स्थल सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। स्वामी हिमाद्रि मुनी जी महाराज के संकल्प, श्री कल्याण सेवा आश्रम के निरंतर प्रयास एवं समाज के सहयोग से यह महत्वाकांक्षी योजना आज पूर्ण रूप से साकार हो चुकी है। यह मुक्तिधाम न केवल नगरवासियों को सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को सम्मान, गरिमा एवं संवेदनशील वातावरण में संपन्न कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मानवसेवी कार्य के लिए नगरवासियों, समाजसेवियों एवं श्रद्धालुओं ने श्री कल्याण सेवा आश्रम एवं स्वामी हिमाद्रि मुनी जी महाराज के प्रति हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है। साथ ही स्थानीय प्रशासन एवं जिला प्रशासन के सहयोग के लिए भी विशेष रूप से आभार प्रकट किया गया। नव-निर्मित मुक्तिधाम आने वाले समय में अमरकंटक नगर के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक धरोहर के रूप में स्थापित होगा।

पेंशन दिवस के आयोजन हेतु जिला मुख्यालय पर बैठक संपन्न

डिंडौरी। प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा डिंडोरी की मासिक बैठक वरिष्ठ पेंशनर्स श्री मति भागवती पाठक की अध्यक्षता एवं संगठन के जिला सलाहकार सेवा निवृत्त तहसील दार माननीय श्री राय सिंह कुशराम के मुख्य आतिथ्य में संपन्न।बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार 17 दिसंबर को जिले में पेंशन दिवस पूर्व प्रस्तावित मां कालिका के दरबार, किकरझर घाट, समनापुर पुर रोड में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा । जिसमें जिले के समस्त तहसील तथा ब्लाक शाखाओं को भी आमंत्रित किया गया है ततसंबंध में समस्त तहसील तथा ब्लाक अध्यक्षों से निवेदन है कि सम्मिलित होने वाले साथियों की संख्या 3 दिसंबर तक अवगत कराने का कष्ट करें। ताकि दिनांक 4 दिसंबर को समनापुर में आयोजकों की बैठक में अवगत कराया जा सके साथ ही उक्त आयोजन में गीत /कविता वाचन हेतु तैयारी के साथ पधारें विशेष तौर पर पेंशनर् बहनें।जिला मुख्यालय से महिला प्रकोष्ठ सहित तीस साथियों की उपस्थिति सुनिश्चित किया गया।

सांदीपनि स्कूल में अंग्रेजी की विशेष परीक्षा आयोजित

शहपुरा। सांदीपनि स्कूल (सीएम राइज स्कूल) शहपुरा में इस बार प्री-बोर्ड से भी पहले अंग्रेजी विषय की एक विशेष परीक्षा आयोजित की गई। यह परीक्षा स्कूल की माध्यमिक अंग्रेजी शिक्षिका नसीमा खान द्वारा संचालित की गई, ताकि बच्चे आने वाली बोर्ड परीक्षाओं में अधिक आत्मविश्वास के साथ उतर सकें। एमपी बोर्ड द्वारा 2026 की परीक्षा के लिए पोर्टल पर अपलोड किए गए प्रैक्टिस पेपर को प्रिंट कराकर विद्यालय के सभी विद्यार्थियों से यह अभ्यास परीक्षा दिलाई गई। उद्देश्य साफ था—बच्चों को प्रश्न-पत्र के स्वरूप से परिचित कराना और उनकी तैयारी को वास्तविक परीक्षा के करीब ले जाना।

खबर संक्षेप

खंड स्तरीय सांसद खेल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

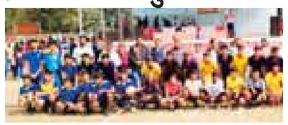

अनूपपुर। 2 दिसंबर को सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह के मार्गदर्शन मे जमुना कोतमा क्षेत्र के जमुना कॉलोनी फुटबॉल ग्राउंड पर खंड स्तरीय सांसद खेल प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस खेल प्रतियोगिता में क्षेत्र के अनेक युवा प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें फुटबॉल के मैदान पर जोश और उमंग साफ देखने को मिली। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन करते हुए खेल की भावना को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की शुरुआत सांसद हिमाद्री सिंह के खेल प्रतियोगिता के महत्व पर बोले संदेश से हुई, जिसमें उन्होंने युवाओं को खेलों के साथ-साथ पढ़ाई में भी संतुलन बनाने की प्रेरणा दी। भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय द्विवेदी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाने का माध्यम हैं और खेलों के प्रति उनका मनोबल बढ़ाते हैं। उन्होंने सांसद हिमाद्री सिंह की इस पहल की जमकर सराहना की, जो खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के माध्यम से युवाओं को ऊर्जा और टीम भावना से भरने का कार्य कर रही हैं। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान के तहत देश में युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस दिशा में सांसद हिमाद्री सिंह का यह आयोजन एक प्रेरणादायक कदम है, जो युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करता है और उन्हें स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। नगर पालिका पसान के उपाध्यक्ष अजय यादव ने इस आयोजन की सफलता पर खुशी जताई और कहा कि क्षेत्र में इस तरह के आयोजन नियमित रूप से होने चाहिए ताकि युवा अपने हुनर का प्रदर्शन कर सकें। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्थानीय नागरिक मिलकर एक सकारात्मक संदेश देने में सफल रहे कि खेलों के माध्यम से ही स्वस्थ समाज और प्रगतिशील राष्ट्र की नींव मजबूत होती है। इस प्रकार सांसद हिमाद्री सिंह के नेतृत्व में आयोजित यह खेल प्रतियोगिता शहडोल संसदीय क्षेत्र में युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा की आशा लेकर आई है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा मंडल पसान अध्यक्ष अजय द्विवेदी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती धनमती सिंह, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुखविंदर सिंह, नगर पालिका पसान उपाध्यक्ष अजय यादव, वार्ड नंबर 5 की पार्षद श्रीमती सरोज लोधी, जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड अधिकारी के के वर्मा, जमुना कॉलरी हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य अवध राज सिंह सोलंकी तथा विद्यालय के शिक्षक खेल विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला जेल में हुआ गीता के 15वें अध्याय का सामूहिक सस्वर पाठ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग एवं जेल विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती के अवसर पर जिला जेल अनूपपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला जेल के सभी स्टॉफ एवं जेल में परिरुद्ध बंदियों ने पूर्ण आस्था के साथ सहभागिता की। बंदियों ने श्रीमद्भागवत गीता के 15वें अध्याय के श्लोकों का सामूहिक सस्वर पाठ किया। कार्यक्रम में श्रीमद्भागवत गीता के पन्द्रहवें अध्याय के श्लोक का मूल वाचन करते हुए उप जेल अधीक्षक श्री इन्द्रदेव तिवारी ने बंदियों को उसके लाभ के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अध्याय में भगवान श्री कृष्ण ने भौतिक संसार की प्रकृति, आत्मा के स्वरूप और परम सत्ता (पुरुषोत्तम) के बारे में दिव्य ज्ञान प्रदान किया है।

अमरकंटक नर्मदा मंदिर में रहस्यमयी हाथी प्रतिमा

आस्था, इतिहास और रहस्य का अद्भुत संगम

पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण धरोहर

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मां नर्मदा के पावन उद्गम स्थल अमरकंटक स्थित नर्मदा मंदिर परिसर में स्थापित पत्थर की विशाल हाथी प्रतिमा न केवल श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है, बल्कि अपने भीतर एक गहरा रहस्यमयी इतिहास भी समेटे हुए है। वर्षों से यह प्रतिमा श्रद्धालुओं, इतिहासकारों और पर्यटकों के लिए जिज्ञासा का विषय बनी हुई है। नर्मदा मंदिर के निकट स्थित यह हाथी प्रतिमा प्राकृतिक शिला से निर्मित प्रतीत होती है। इसकी आकृति, सूंड की बनावट और शरीर की संरचना इतनी सजीव प्रतीत होती है कि दूर से देखने पर यह किसी जीवित हाथी का आभास कराती है। स्थानीय जनमान्यता है कि यह प्रतिमा सैकड़ों वर्ष पुरानी है और इसका निर्माण किसी विशेष धार्मिक उद्देश्य से किया गया था।

लोककथाओं में हाथी का रहस्य

स्थानीय किंवदंतियों के अनुसार, प्राचीन काल में एक दिव्य हाथी मां नर्मदा की सेवा में प्रतिदिन जल लाकर अर्पित करता था। उसकी अपार भक्ति से प्रसन्न होकर मां नर्मदा ने उसे वरदान दिया, जिसके पश्चात वह पत्थर का होकर भी अमर हो गया। तभी से यह प्रतिमा नर्मदा तट पर स्थापित मानी जाती है। कुछ कथाओं में इसे देवताओं के वाहन ऐरावत से भी जोड़ा जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस हाथी प्रतिमा के दर्शन मात्र से विघ्न-बाधाएं दूर होती हैं, और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। विशेष अवसरों, जैसे नर्मदा जयंती, महाशिवरात्रि एवं कार्तिक पूर्णिमा पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु पहुंचते हैं।

इतिहासकारों की दृष्टि

इतिहासकारों का मानना है कि यह प्रतिमा संभवतः कलचुरी या गोंड काल की कलाकृति हो सकती है। उस काल में पशु प्रतिमाओं को धार्मिक प्रतीक के रूप में मंदिरों के आसपास स्थापित करने की परंपरा प्रचलित थी। हालांकि अब तक इसके निर्माण काल एवं शिल्पकार को लेकर कोई आधिकारिक अभिलेख उपलब्ध नहीं है, जिससे इसका रहस्य और गहरा हो जाता है। आज यह हाथी प्रतिमा अमरकंटक आने वाले पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन चुकी है। फोटो प्रेमी, शोधार्थी और श्रद्धालु सभी यहां आकर इसकी भव्यता और रहस्यमय स्वरूप को निहारते हैं। यह प्रतिमा अमरकंटक की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को और भी सशक्त बनाती है।

संरक्षण की आवश्यकता

स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों का मानना है कि इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण हेतु शासन स्तर पर विशेष प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस रहस्यमयी विरासत से परिचित हो सकें। नर्मदा मंदिर में स्थित यह हाथी प्रतिमा केवल पत्थर की संरचना नहीं, बल्कि आस्था, इतिहास और रहस्य का जीवंत प्रतीक है, जो अमरकंटक की आध्यात्मिक गरिमा को और भी गौरवान्वित करती है।

478 किलो के गांजा तस्करी का फरार आरोपी गिरफ्तार

मिनरल वाटर कैरेट के नीचे छिपाया था गांजा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। फुनगा पुलिस ने दो साल से फरार चल रहे गांजा तस्कर कमलेश मरार को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायालय में पेश किया है। आरोपी पर 478 किलोग्राम गांजा तस्करी का आरोप है, जिसे मिनरल वाटर के कैरेट के नीचे छिपाकर ले जाया जा रहा था। यह मामला 2 दिसंबर 2023 का है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक बिना नंबर की सफेद महिंद्रा बोलेरो पिकअप में बदरा से अनूपपुर की ओर अवैध गांजा ले जाया जा रहा है। गांजे को मिनरल वाटर के कैरेट के नीचे बोरियों में छिपाया गया था। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। पुलिस को देखकर वाहन में बैठे दो व्यक्ति चलती पिकअप से कूदकर भाग निकले। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से 15 प्लास्टिक की बोरियों में कुल 478 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 57 लाख 38 हजार 400 रुपए बताई गई है। इस संबंध में फुनगा चौकी में अपराध क्रमांक 500/23, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। लगातार जांच के दौरान 30 नवंबर को मुखबिर की सूचना पर सायबर सेल से आरोपी की लोकेशन प्राप्त हुई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रकरण के फरार आरोपी कमलेश मरार पिता छतराम मरार, निवासी मरघटी, थाना हसौद, जिला शक्ति (छत्तीसगढ़) को गिरफ्तार किया और न्यायालय में प्रस्तुत किया।

मातृशक्ति की अगुवाई में पुतला दहन कर दर्ज कराया कड़ा विरोध

अभद्र बयान के विरोध में विप्र समाज का उफान

प्रशासन ने स्थल पर ही लिया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अजाक्स कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज के प्रति कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में मंगलवार को अनूपपुर में व्यापक जनाक्रोश देखने को मिला। जिला विप्र समाज, अखिल भारतीय एकीकृत ब्राह्मण परिषद, अखंड ब्राह्मण समाज एवं आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा के संयुक्त तत्वावधान में इंदिरा चौक हॉस्पिटल के समीप विशाल विरोध सभा एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से सैकड़ों विप्रजन, मातृशक्ति एवं युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। विरोध कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता रही समाज की मातृशक्ति की सशक्त उपस्थिति। महिलाओं ने संतोष वर्मा का पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रकट किया तथा प्रतीकात्मक रूप से चूड़ियाँ भेंट कर यह संदेश दिया कि किसी भी समाज की महिलाओं की गरिमा पर प्रहार किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। "जय जय परशुराम" और "ब्राह्मण समाज एक हो" के नारे से पूरा क्षेत्र गूँज उठा। इंदिरा चौक पर बनाए गए विशाल पंडाल में जैतहरी, कोतमा, बिजुरी, बर्थरई, बरगवां, देवहरा, कोतमा, मेड़ियारास, वेंकटनगर सहित दूरस्थ अंचलों से श्रद्धालु और समाजजन पहुंचे। विरोध पूरी तरह अनुशासित रहा। विरोध की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी स्वयं सभा स्थल पर पहुंचे और ज्ञापन प्राप्त किया। ज्ञापन में संतोष वर्मा पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने एवं कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग प्रमुख रही। सभा में अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, ब्राह्मण संगठनों के प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ पदाधिकारी मंच पर उपस्थित रहे।

मातृशक्ति की व्यापक सहभागिता

महिलाओं की प्रभावी उपस्थिति इस विरोध की विशेष पहचान रही। मुख्य रूप से श्रीमति सावित्री त्रिपाठी, श्रीमती संध्या पांडे, श्रीमती सुनैना मिश्रा, बसंती शर्मा, कविता मिश्रा, श्रीमती गौतम सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने नेतृत्व किया। वक्ताओं ने कहा कि यह मामला किसी एक संगठन का नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक मर्यादा, सम्मान और अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।वक्ताओं ने चेताया कि यदि संतोष वर्मा पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो जिलेभर में चरणबद्ध और व्यापक आंदोलन खड़ा किया जाएगा।

प्रशासन ने स्थल पर ही लिया ज्ञापन

जनभावनाओं की गंभीरता और भीड़ की व्यापकता को देखते हुए नायब तहसीलदार मंगलदास चक्रवर्ती अपनी टीम के साथ पंडाल में पहुंचे और आयोजकों से ज्ञापन प्राप्त किया। ज्ञापन में संतोष वर्मा पर तत्काल एफआईआर, कठोर दंडात्मक कार्रवाई, समाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले बयानों पर कानूनी नियंत्रण प्रमुख रूप से रहा। कार्यक्रम का संचालन विभिन्न मंच संचालकों ने किया। अंत में संयोजक पंडित रामनारायण द्विवेदी ने सभी ब्राह्मण संगठनों, मातृशक्ति, युवाओं, पुलिस प्रशासन और मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आंदोलन ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि अनूपपुर का विप्र समाज संगठित, सशक्त और अपने सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है।

ऑटो चालक मन मुताबिक ले रहे सवारियों से किराया

सवारियों व चालकों के अक्सर होता विवाद

जिला मुख्यालय की तरह किराया निर्धारण की मांग

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर में आटो एवं ई-रिक्शा की इतनी अधिक संख्या हो गई है कि प्रायः इनकी वजह से जाम लग जाता है। लेकिन प्रशासन की ओर से इन आटो अथवा ई-रिक्शा के किराए का निर्धारण न होने से नागरिकों को परेशानी होती है। नगर में आटो चालकों द्वारा मनमाना किराया वसूला जा रहा है। हाल यह है कि बिना किसी रोकटोक के संचालन के कारण आटो वाले सौ ढेड़ सौ रुपये से कम किराया लेते ही नहीं इतना ही नही कोतमा से निगवानी गांव की दूरी 12 किलोमीटर है जिसका किराया 30 रूपया लिया जा रहा है इस वजह से आए दिन सवारियों से विवाद भी होता है। लेकिन धौंस के बल पर लोगों को चालक चुप करा देते हैं।

मन मुताबिक किराया निर्धारण

नगर में मुख्य रूप से बस स्टैंड से बाजार टैक्सी स्टैंड से भालूमाड़ा जमुना गोविंदा लहसुई कैंप कालोनी रेलवे स्टेशन से भी आटो ई रिक्शा का संचालन किया जाता है साथ ही कोतमा मुखर्जी चौक से निगवानी के लिए नगर में मुख्य रूप से इन मार्गों पर ही आटो या ई- रिक्शा का संचालन किया जाता है। इनमें से किसी भी मार्ग पर किराया का निर्धारण नहीं किया गया है। आटो चालक अपने स्तर से किराया निश्चित कर लिए हैं मनमाना किराया भी लिया जाता है। इसमें रात के समय महिला यात्री होने पर आमतौर पर मनमाना किराया लिया जाता है। इतना ही नहीं कम दूरी के लिए भी कोई किराया तय नहीं है। जो मांग लिया वह लेना ही है। यदि किसी ने आपत्ति की तो विवाद होना तय है। शायद ही ऐसा कोई दिन होता हो जबकि कहीं न कहीं विवाद न हो।

सवारी की संख्या भी निश्चित नहीं है

जिला मुख्यालय की तरह हो किराया निर्धारण इन आटो या ई- रिक्शा में किराया तो तय नहीं है। साथ ही यह भी तय नहीं है कि एक आटो या ई- रिक्शा मे एक साथ कितनी सवारी बैठा सकता है। यही वजह है कि सवारी को ठूस कर बैठाया जाता है। इससे दुर्घटना का जो खतरा होता है वह तो होता ही है। सवारियों की हालत खराब हो जाती है। विशेषकर महिला व बच्चे पिस जाते हैं। इसके लिए न तो गाइड लाइन का ध्यान दिया जाता है और न ही यातायात नियमों का। जबकि आये दिन परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस यातायात सप्ताह का आयोजन करती है। जो सार्वजनिक वाहन हैं उनके किराया निर्धारण के लिए प्रशासन को आगे आकर किराए का निर्धारण करते हुए आम जनता को राहत पहुंचानी चाहिए। पूर्व मे परिवहन विभाग के द्वारा जिला मुख्यालय अनूपपुर में ऑटो चालकों की बैठक बुलाते हुए किराए का निर्धारण किया गया था और प्रत्येक ऑटो में किराया सूची चस्पा की गई है।

सभी ऑटो में चस्पा हो किराया सूची

जिला परिवहन एवं यातायात विभाग को तहसील मुख्यालय में भी ऑटो चालकों की बैठक लेते हुए किराए का निर्धारण करते हुए ऑटो में किराया सूची चश्पा करवानी चाहिए जिससे आमजन को राहत मिल सके। कोतमा नगर में हाल यह है कि ऑटो चालकों के द्वारा यदि बस स्टैंड से तहसील जाना है या गोविंदा लहसुई कैंप तथा बाजार तक जाना है तो डेढ़ सौ रुपए से कम किराया नहीं लेते हैं चाहे एक सवारी ऑटो में बैठे जिसके कारण लोग ऑटो चालकों की मनमानी के कारण लूट रहे हैं। नागरिकों ने जिला परिवहन एवं यातायात विभाग से ऑटो का किराया निर्धारण करवाते हुए प्रत्येक ऑटो में किराया सूची चस्पा करवाए जाने की मांग की है।

घोड़े से नर्मदा परिक्रमा करने अमरकंटक पहुंचे महात्मा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पावन पवित्र नगरी नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक में आए दिन मातेश्वरी मां नर्मदा जी का परिक्रमा कर रहे भक्त श्रद्धालु, संत महात्मा भक्त श्रद्धालु गण पहुंचते रहते हैं अलग-अलग तरीके से लोग अपने श्रद्धा भक्ति के अनुसार मां नर्मदा जी की परिक्रमा करते हैं। पुराणों में नर्मदा परिक्रमा का विशेष महत्व बताया गया है बताया जाता है कि बड़े भाग्य से मां नर्मदा की परिक्रमा का सौभाग्य मिलता है। ऐसे ही एक विलक्षण संत महात्मा अमरकंटक (माई की बगिया) में नर्मदा परिक्रमा करते हुए आए हुए हैं! खास बात यह देखने को मिली कि मां नर्मदा जी के अनन्य भक्त घोड़े से मां नर्मदा जी की परिक्रमा कर रहे है। जैसे लोगों की नजर पड़ी देखने वालों की भीड़ लग गई। महात्मा से लोग जानने पहुंचे कि आप घोड़े से नर्मदा परिक्रमा कर रहे हैं काफी अलग बात है। महात्मा ने जवाब दिया कि अपने श्रद्धा भक्ति अनुसार परिक्रमा करने का सौभाग्य मिलता है हमारे साथ-साथ पशु की भी परिक्रमा हो रही है यह विशेष बात है। आपको बता दें महात्मा देवास जिले के हैं नाम देवीदास है। बताया कि उन्होंने देवास से नर्मदा परिक्रमा प्रारंभ की है तथा दो-तीन महीने में उनकी परिक्रमा पूर्ण हो जाएगी।

न्यायालय :- मनोज कुमार लढ़िया प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, अनूपपुर, जिला-अनूपपुर म.प्र.
प्रो.कं.- /न्याया./2025 अनूपपुर दिनांक 01.12.2025
(धारा-13 हिन्द विवाह अधिनियम) प्रोसेस क्रं. 21/7/2025
प्रकरण क्रमांक. 18/2024 तारीख पेशी-15.12.2025
प्रीतम सिंह आयु लगभग-35 वर्ष पिता वीर सिंह गोड़ निवासीग्राम बेलगांव तहसील व जिला अनूपपुर म.प्र.
........आवेदक बनाम
श्रीमती दुलेश्वरी पत्नी प्रीतम सिंह उम्र लगभग - 32 वर्ष निवासी ग्राम कोलमी थाना व तहसील अनूपपुर जिला अनूपपुर म.प्र..........उत्तरदाता
// इश्तहार //
प्रति, श्रीमती दुलेश्वरी पत्नी प्रीतम सिंह उम्र लगभग - 32 वर्ष निवासी ग्राम कोलमी थाना व तहसील अनूपपुर जिला अनूपपुर म.प्र.
क्योकि आवेदिका दुलेश्वरी ने आपके विरूद्व हिन्दु विवाह अधिनियम प्रकरण क्रमांक-18/2024 विभा भारती बनाम राजेशलाल गौतम आवेदन अन्तर्गत धारा -13 हिन्दु विवाह अधिनियम का प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया है। इसलिए आपको सूचित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने किसी अधिकृत अधिवक्ता के द्वारा जिन्हे प्रकरण के तथ्यों का सन्यक् ज्ञान हो के द्वारा आगामी सुनवायी तिथि 15.12.2025 को दिन के 11:00 बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत करें एवं जिन दस्तावेजों पर आज विश्वास करते हैं उन्हें भी प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति की दशा में प्रकरण की सुनवाई की जाकर एक पक्षीय आदेश पारित किया जा सकेगा। उक्त दिनांक 15.12.2025 अवकाश घोषित हो जाने पर अथवा किसी कारणवश न्यायालय की कार्यवाही स्थिगित हो जाने पर प्रकरण की सुनवायी अगले कार्य दिवस को की जावेगी । आज दिनांक 02.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
(मनोज कुमार लढ़िया) प्रधान न्यायाधीश
मुद्रा,
कुटुम्ब न्यायालय अनूपपुर म.प्र
कृपया ध्यान दें :- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण की सुनवाई में लिया जायेगा ।

नेत्र चिकित्सा सहायक अनिल कुमार सिंह हुए सेवा निवृत्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला चिकित्सालय अनूपपुर का माहौल सोमवार को भावुकता में डूब गया, जब चार दशक तक स्वास्थ्य विभाग में सेवा देने के बाद नेत्र चिकित्सा सहायक अनिल कुमार सिंह सेवानिवृत्त हो गए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों/ कर्मचारियों के द्वारा उन्हें विदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी, डॉ. एस.सी. राय, डॉ. प्रवीण उर्मालिया, डॉ. साकेत कौशिक, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय सिंह सहित अस्पताल का समस्त नर्सिंग एवं गैर-चिकित्सकीय स्टाफ उपस्थित रहा।कर्मचारियों और अधिकारियों ने अनिल कुमार सिंह की चार दशकों की अनुकरणीय सेवा और मरीजों की निस्वार्थ देखभाल के लिए खुले दिल से प्रशंसा की। वक्ताओं ने कहा, सिंह ने अपने कर्तव्यनिष्ठ व्यवहार, तकनीकी दक्षता और सहयोग की भावना से कार्यस्थल को परिवार बना दिया। उन्हें सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र भेंट किए गए। अनिल कुमार सिंह ने अपने संदेश में सभी का आभार मानते हुए कहा, "जिला अस्पताल मेरी दूसरी ज़िंदगी और परिवार रहा, यहां का हर पल मेरे लिए अविस्मरणीय रहेगा।जिला चिकित्सालय परिवार ने नेत्र सहायक अनिल सिंह को दी गरिमामय विदाई दी गई और उनके स्वस्थ्य जीवन की कामना की गई।